



৩৩। বিদ্বীন্ধান্তির্বাগী বাদির শিল্প নি ক্রির্বালির শিল্প নি ক্রের্বালির শিল্প নি ক্রির্বালির শিল্প নি ক্রির্বালির শিল্প নি ক্রের্বালির শিল্প নি ক্রের্বাল







२गॅर्प्स लेया चरायस या स्था । वर्गे दारा लेया चरायस या स्था भी वर्गे दार्थ स्था स्था ।

याक्षेत्रः होते याक्षेत्रः याक्ष्यः याक्षेत्रः याक्ष्यः याक्षः याक्ष्यः याक्ष्यः याक्ष्यः याक्षयः याव्ययः याक्षयः याव्ययः याव

नुसःह्रभः नितः प्रभः स्तुः यः नग्दः नः न्युस्रभः य

न्त्रयमञ्जूनमन्त्री ॲॅं र्वेश्वे से गीर् त्रन्त्र त्रुं यत्। ॲॅं य्वेवृष्यः पुर्वः यह क्रुं युः व्या नुर्द्वेष्ठे हैं दिन्य केन दुन्य केन्य केन्य केन्य केन्य के विष्ठ र्रे क्रिंन के न अर्चे द न से द न अकु वसुद न ल र्रे न स अर्क के द न म स स द न द न स्थित के वर-रु-क्षेर-मी-कर-क्ष-विर-त्रीयायित्रमी-र्नुका-क्षु-हुं-धिमामी-सन्नर-धी-मी-नक्कु-पदि-स्वायासेटावीयावर्सेटावाययादेटानेटावर्स्य। स्वायावर्षेत्रवेटानेटाट्यस्यावर्षियाया द्रिन्द्रेन् मुं द्रिया कुं भिना सून्य अद्ये द्रित्य क्षा दे विकास विकास दे विकास वि हेते क्रुत्र नन्यान नुस्र प्रते कु न्दर्भे वाहेना हुन् वर्ष वर्षाया स्रिष्ण सूक्ष्ण राष्या स्राप्त वर्ष र्श्वाराम्वेदाहे म्वेदाग्री धेवानकु विद्यादा हु राष्ट्रिया स्वारा हु प्राप्त स्वारा हु राष्ट्रिया हु स्वारा हु राष्ट्रिया हु स्वारा हु राष्ट्रिया हु स्वारा हु राष्ट्रिया हु स्वारा हु स्व

नुस्रायि कुर्द्र में पिष्ठेया हु सूर्य औं दूं हु से री हु त्या है स्याय यह

श्चरहेना देशके. से. यी. प्रत्न त. दें. त्यता अ. येत्रे. त. ती हैं. यम से हें ये ते त विवा येश न मुत्र पार्थे दश शु मुराया शके त्यश तद्शाप वा शवा प्रते क मुत्र स्तर में र्टावस्थार्ट्य के अकर्ता मार्था के दार्थित स्था के स्थ र्द्वे दि देवशर्दे हे वश्वेषया प्रदेवर द्रायहं व से प्रविधावम् राया व्याप्त व प्रविधाव व स्वाप्त व स्वाप्त व स र्यं यह यह वर्ष के यह वर्ष के नदेव मन्दा दे निविव मिलेग्य मन्दा हैं है निद्या देव में के निद्या महानिद्या मही

नर्हित क्षें के इंते के इंते अस्त्र में ख्रुंत था हुं। हे हे नश्स्य मान्य मान के महिसान हे नित्र हाती है। कें तर्भागी रेपा से नास्त्र प्रतान निष्य प्रतान निष्य में निष्य में प्रतान मे धूरवर्ध्वरवि:धनाक्का व्यापर्वे नाम्याया वित्रवि नाम्यायाया वित्रवि नाम्यायाया वित्रवि नाम्याया वित्रवि नाम ग्रीमा नर्डेसाय्वन वर्षान्या उना सूना नस्य ग्रीम निस्य वर्षे प्रमानस्य निस्य नन्गारुगास्यासुर्यान्दर्से सान्दर्भो १५५५ न्द्रान्दर्से न्यायदासुन्यास्य सिर्वे । १४ नई न् हे ने से तथा यह अन्य पान हुत् ने न्यं के त्या के तथा या पान हे हु हे निष्य या या नि हु है निष्य या या नि स महिरामञ्चेत्या में मित्रामित्र मित्रामित्र मित्रामित्र मित्र शक्षक्षत्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र्य्यात्त्रात्त्र्य्यात्त्रात्त्र्य्यात्त्रात्त्र्यात्त्र विद्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त

ग्नित्रहेदेग्निन्रुः विवयः इट्ट्रं भ्रेया हेत्रह्म्ययः नः क्रं उत् में मुः सर्वेरं रेट्रं रावर ग्रुर् क्षें अस् ने न अस् अस् अस् अस् अस् अस् अस् वर्षे वर्षे स्वरं अस् वर्षे स्वरं स यायदाम्बुसाइवाचाद्दाच्यसास्मासायदीत्वद्दाच्यदाम्बुसायहून् कें त्द्रसाग्री सूचा सूचारा क्यासाद्दा नठमाराश्चरमाराश्चर के प्रत्माश्चर् भेर में में प्रत्मार में में में प्रत्मार में प्रत्म में प्रत्म में प्रत्म में प्रत्मार में ग्रम्दुं र्श्वेत्रं र्ये राम्यक्त्रं प्रम्युम्। अँ प्रद्राक्षः क्षेत्रं क्षा क्षेत्रं क्षेत्र वर्षेद्रशत्र्वश्यमे वेदः दृदः गुदः से दृदः सम्बन्धः वर्षेद्रः मह्मा वर्षः दृदः से दः से दः से दः से सम्बन्धः सम्वनः सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्यः सम्बन्धः स

चीरा क्र.लक्षे यही यहै। धेरी क्रेंस्या क्र.यह प्रमास क्र.

१ ने वस नक्षेत्र मंत्री हैं। के सिंहित क्षेत्र मानिक से से प्राप्त के सिंहित क्षेत्र में ति से सिंहित के सिंहित कुंवाधराभे भेंदर विद्या वित्रभावास्याम्याप्ये वहेवाया ग्रेट्स्मूर स्वेताया विक्रिकेत वित्र रावि क्रिंग्रायायायायाया । । । भेरावे निर्दे निर् वेदारम्भराष्ट्रवर्षा विश्वरावी रार्से वर्षुवा क्षेटा होरावदे सुर्या । सासुराद्वरा सुरावा स्या तक्ष्या त्या विया राष्ट्र त्या स्थित स्या स्थित सह दा हिया सार दिया सार सिया सार सिया सार सिया सार सिया स स्यान्त्रान्यस्यम्। र्हित्रसेंद्रमः नृयाः उत्रः स्वरः वर्षः वर्षे समासद्दाया । श्रुवः यानुयाः स्वरः स्वरः

 ∞

नक्कुर्यास्माप्तक्यार्थे । नङ्ग्रयार्यदेशेष्ट्ररायनरानदेशोदान्मेषाद्व । न्यदानेदेशसूरा स्तर्यात्र मिर्यात्र स्थात्र त्रात्र त्रात्र त्रात्र त्रात्र स्थात्र स नवीवारान्युन्यक्षेवायम्याद्यम्याद्यवायक्ष्यावे । वातुरुक्षःकेवरन्रायविः यहर्षित्रम् । भ्रिमाः स्ट्रिट त्युर त्र्रित्र विष्य हेर सके या विषय । इसमा सदे र से व्युपाः भ्र क्रूंट नवित क्रुंग्राया वि कुण नवीग्या क्रेंग्राय न्याय सुग प्रक्षा वि । द्वी वहिष्य य परि द्वै श्चारेशःश्चेताः वेटा । निर्मानाशः इस्रशः संस्थाः यहें स्रशः सहितः यदि । निर्देशः ग्वानः सः सुर्शः श्चेतः नवे खू | निर्माम्य ग्री न्या या सुमा पळे या नर्से न |

सं. भेट्ट्रें ४५। क्रॅट.य.४८.२.वीरा क्र्रू.पंडे हैं .सं. ग्री.पंत्र प्र. प्रें .तथा क्र्रू. श्रें ने .सं. भेटें .सं. भेट

ळे नवे नद्र न्यां न्यां मार्थ मित्र मार्ने द्राया निया में न्यां न्या निया न्या मार्थ न् गुरा क्रि.स्व इद्वी लय.पाश्वय.ग्रीय.ग्रीय.ग्रीय.प्रीय. वन्याग्री स्वास्त्र नास्त्र ना गुर् गहर्मसम्बन्धम्भूरमम्भूतम् अ. यस्ते स्वत्यायायाः प्राप्ति सुः यस्त त्र निष्यु न्या हे श्चर मा हे श्वर या या व निष्यु है न स्थित हो स्था के स्था व इ.इ.इं.सत् वर्ष्यत्र वर्ष्यत्र वर्ष्यत्र वर्ष्य का का का के वा हैं। के या हैं र के वर्षे देश या विषय या वर्ष पदी । वर्ष यः श्रीवाश्वाद्ये नवीवाश्वास्त्रीयाश्वाद्ये विवाद्ये विवाद्ये निष्ठी विवाद्ये विवाद्ये विवाद्ये विवाद्ये विवाद हिन्द्रस्थरायने व्यामान्त्र नुष्टे प्रमान्त्र । वायाने मायाने प्रमायाय स्थापन्य ।

क्षश्चर्त्वा स्ट्रिस्य स्वाप्त विष्य । स्वाप्त स्व स्वाप्त स्

के बार्खी सरमाक्तिमात्री वर्षेत्राचित्र मात्रा क्रिमात्री महेवामात्रा रेवो पर्व मी पर्व मे मन्दा दे निविवानिनायाम्दा हैं है द्दा देव में के द्दा महाद्दा व्यय ग्री देनाय थ वियास्त्राम्यस्य स्वर्तात्ता भ्रीत्रास्त्रात्ता स्वयाः स्वास्त्रम्य स्वासः स्वा संते हिन्यम त्रम्य राज्य हिन्यम नुष्य प्रमान्य स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्था ग्नेन्'ग्रे'ख़'र्केंग्रां इस्रांग्रे'ननेन्यान्त्। ननेन्यते होन् ग्रेस्तान्त्रन्या ग्रेसाकें प्रस वन्याया के ने इस्तिया चुन्याया सेवायाया इस्यया वर्षित ची न्याया के वावयायाया वर्त्त ना वेदा विदा कें त्यें अत्वर्भाग्नादानु गाव्यायि स्थाय श्रिया दित्य कें दिशाद्र विदाय विदाय

मदे नवीवार्था श्री र्वेदिवार्थ महाराज्य स्तर् कें'यशयन्शयंदे'क'तुन्'न बुन'दशानेदे'हे' यवेयान्दायहेषा हेवाया इससाया वर्षु विदायार्वे दासरा वेदासदे यार्वे दार्श्वे वाददा न्या वाददा द्युट में त्य सेवास पा बसस उद्गार्दिन सादि सादि सादि साम मी साव विदान परि । नस्रायान्त्रयात्रस्रस्य उत्रेहित्राय। यत्रायान्द्रायने नातुद्राकुनाती स्रेस्यान्द्रायस रटारटार्श्वेरियाव्यासुर्शेटाविया । यायाने से पर्वे व विर्मेर्थियो विया ग्री हैं हे से रचा नु वनर्ना मुस्य राष्ट्रीया केट मुस्य पर वर्ट्स स्था पर वर्ट्स स्था पर वर्ट्स स्था वर्षे स्था सुर्धे हैं। ये हा मेड्रित्रुं। मेड्रप्पणमेड्रपणतुं। ष्रुप्पणर्जे। इपास्य पेठ्र क्रिं तुंपता द्या क्रिं हेड्डिड्से ग्रें 'तृ त्र त्रुं 'यत् । डेर्यान्ड्री गु गुया ग्रीया ग्र

है मक्ट्रन्य विव की मानक्ष्म । विष्ट है हि हि भी गी पूर्व व दे पत्र । विष्ट मान विक्र मान है सूर्

युःचःसः शुक्केष्ठे। क्षेंदः यं केदः तुः व्यूरा क्षेंदः यदे ददः यया खूश्यया वृदः यदे विद्यापद्या निरक्तिक नाम्सम्भागी निर्देश द्वी विषय निर्मा की में हेंग | नर्गःश्वेंश सरसे। वयःवश रेयःस्वरंत्रस्यरं ररः नविवः नरे श्वेंदः हसायः सर्केंदः हरा बेन्यमन्तर्भेन्यम्भेन्यम् मुन क्र.लक्षे नट्री गड्डी रहि। इ.मी क्र.ज्.मी वै.स.न निस्क्षक्षे है क्र.है इते हसे में में व.व.द्वै.तव। ब्रू.येवै.स.विचै.यच.वर्षे ये.वे.स.विचै्वे वे ब्रूट.य.वेट.टी.वीर क्रूट.यप्ट.टट. यशर्त्तुं यश्चित्रविष्वत् विराद्गारार्धे ह्नुष्ठार्थे । विष्ठिरायार्दे हेवे खेटावश्वारक्षेराववे व्य इं यारी विश्वासे सेश ही से त्वर प्रति न्तु श शु री त्यश प्र हु प्रति है प्रति है ए तु हैं यशर्हे हैं ख़ै यो शासक्य सायशा है है सायदादर्शे क्षु सर्वा ववा से विया पड़िया पढ़िया

व्यायाग्रामः द्वुं सह द्राण्ची सुमा क्रिया है मार्चे या पहें वा पार्चे वा पार्चे वा या के वा स्वार्धिया या क्रिया स्वार्धिया या क्रिया वा सुमार्थिया विषय स्वार्धिया या स्वर्धिया या स्वार्धिया या स्वार्धिया या स्वार्धिया या स्वर्धिया या स्वर्धिया या स्वार्धिया या स्वर्धिया या स्वर्धिय या स्वर्ये या स्वर्धिय सःविचर्यायार्षेत्रचकुरायो स्वचरायो साचव्यायाः विदावयास्यातुः याद्रस्य स्यातुः स्व र्चराष्ट्री अग्रीवायराष्ट्री श्रुवायागाराङ्गी श्रुवायागादेःहुँ ययादेन् नेरादर्शयाययान्स्रीयया मन्दर्यद्वानिक के साम के मानिक षड्य नदी नड्डी सक्षे इसे। खुर्के ने वैसे हा नम्म दे हैं हैं भूष विकास के ना कि स्वर्ध वर्ष्यक्षर्भण्यत्वत्वा श्रे नर्भे नर सक्यान्यीयावित्रावित्राम्या हिंहे स्वित्रवर्षेत्र स्वाप्यावस्यानस्त्री । हे के वित्रमार्थी महा सम्बामिक मार्थिया सम्बाद्धार मी निर्माण परिया है नर में त्या में निर्माण से के त्या है त यार र्वेया रादे अ र्वे द व व रेवे त्या खेरा त्या खेरा या खेरा या खेरा या खेरा खेरा खेरा खेरा खेरा व व व व व व

क्षेप्ति त्ये प्ये प्ये प्राची के त्या प्राची के त्ये प्राची के कि त्या के त्ये प्राची के त्ये त्ये प्राची के त यः नुः उत् श्रीः इस्रः यरः श्रुरः दस्रः हैयः द्वाः सें यः यदे या श्रुया स्रियः श्रुया श्रुया स्रियः या श्रुया क्रि. यहारामानामाने अस्तर्भातानामाने अस्तर्भातानामान रिही श्रे.मी के.स.२। निम्लिक्षे क्रू.मह.५.मा.स्.लेक्षे वरः मक्रूरे करः पर वर्गा है हा. नर्भें निर्मे हे तो श्रेया है। मिर्मे निर्मे निर्मे स्थाप्याया है। मिर्मे निर्मे निर्मे स्थाप्याय है। याशुमा हिंह मानव वर्षे र सुमा वर्ष या नहें रा विमानमानहें रही। के प्राप्त महं हो। के प्राप्त महं सु चविव मी जाव या सुरा विवाया न्या क्षेत्रा या चन्या हिन त्या विया प्रमान्य म

के बार्शे सङ्घान प्याप्त किंगी गांची भी गांची सें उन्हीं सें उन्हीं हैं तन्हीं हैं तन्हीं हूं का है। हु अही बाने जन बाने जना अस गाझ पाने पान है। से अस अह बहु अृह्य बेग पन्त कें क्रुं सुन्न कें जार्स मृत्यु क्राया के सम्मान कें मिर्हे क्रिक्न में सामे क्रिक्त के सम्मान सम्मान ग्रस्य नहीं कें प्यस प्दर्भ पा के ने इस्वेस हु। या प्राया से या साम सम्मा है या पा प्राया समस्य उर्-तृष्ट्रैं गु-रु-तृत्र्व के स्वत्य क्षा कर निष्ठ कर का कर का कर का कर का ग्रन्द्वेःययःवन कें यसप्रधेने कें इते नई हैं पत् कें यसगास् कास मह ने इसे नगु उ हुँ यत्। ऄॕॱॾॗॣ॓ॱॸऀॱढ़ॣॱॴॴॷॱख़ॱॸॱढ़ॗॱढ़ऀॱॸॾ॔ॱड़ॗऀॱयत्। ऄॕॱड़ॖऀॱॸऀॱक़ॕॱॴॶॎॗॱख़ॱॸॱढ़ॗॱढ़ऀॱॸॢऀॱॺत्। रःहृते दुं पत्। भैं दुं ५ र ५ र भक्षा सरह दे दुं पत्। भैं दुं पत् भक्षा सरह दे दें त णःईं, यत। अँ.ग्रे.पे.ग्रे.पे.श्रम्भः सम्वे ने दें, यत। अँ. एत एत सम्भासम्बे ने दें, यत।

श्रु-५; यर्व न्य-इंव न्य-इंव न्य-द्व न्य-द्व न्य-विक न्य-विक

अर्छ्द्यायाओ प्राचित्राम्ब्रम्य विष्ट्र विष्ट

वरण सृत्य विराम्भुष्टेरा क्यानित सुराय हेव सेंदिरा से सदय सदा विरादि सामित स्तर स डिया । अर्थः समान् मृत्यान्त्रः अपन्ने । भेरमान्त्रः सामान्त्रे । सुक्षिक्ष्त्रः विष्यान्त्रे नासुनायाः हित्र सिन्सासी श्राद्यः त्या । क्रि. वर्ष अर्था क्री च्रा श्री द्रा श्री द्रा श्री द्रा श्री विष्यः वर्षः वर्षे । वर्षे वर्षे नमा किंत्यन्यात्वाःश्चेन्यान्वाश्चराहेना । व्यायान्यान्वाः व्याप्ताः व्याप्ताः व्यापाः व्यापाः व्यापाः व्यापाः ष्रुःहुं। कियायद्रवियायायहेवास्यास्यास्यास्यायाया । क्रियन्यास्य क्रियायास्य न्। क्रियानवे मुन्याया विया करा यदी नार्ये या नया । क्रियन या यो नार्ये नार्या न्या सुरा है।

नविव निवास निर्मास मार्थ । निवास के निवास सम्मिन स्थान । निवास के निवास सम्मिन स्थान । निवास के निवास सम्मिन स येग्रयम्य नगर नम् दिया मेर्य स्वर्थन निष्य स्वर्थन स्वर्यन स्वर्यन स्वर्यन स्वर्यन स्वर्थन स्वर्थन स्वर्यन स्वर्यन स्वर्थन स्वर्यन स्वर् तृःअःच्चेः िरेःगाः तृः यायाः श्वेः खूं इहुं। क्विंटः वाश्वयः गुवः तृः चेः टटः ख्वटः चः धो । दिः यळे वाः ₹ययः निन्द्रिया श्रुवा स्टर्म वश्ची । अर्थे निष्ट्रं वाङ्के स्पृक्ष्ट्री दे निष्य दे त्याव देवा येवाय निश्च स्टर्म नवदः भेत्र हु दे विसाधेन देंदानदे। विसानवतः स्वनायायहसामा सूर्केण सन्दा यर्केना न कु : स्वा ने : न्र : न्र : न्या न त्या । खें : न हें : स्व : खु : खू : हैं।

यहिराना दे स्वर्ष स्वर्ष विश्व स्वर्ष स्वर्य स्वर्ष स्वर्य स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्य स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्य स्वर्य स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ष स्वर्य स्वयः

णा यातु मृत्याणा पासूकृ गाने ते पाने ह्वा दे हि से सू सा शार्ने हि से सू सा शारी हि से सू सा ષાનુ મર્ગે એ સુખા અન એક્રેસે સુખાસા અન ગામાં શું હ છે તે ખાંગા ન કું કું હો જ ન ન ન ष्युः द्वुं यत्। यहे पा हे व यदे व राय देया हु र्सेट विट के यस यद्या पा के ने संवे राय विराय के ने नुःहें नुः सें द्रारा से रः सूदे दे सा वस्र सा उन् नु होते द्रा नु स् सु न पदे सा दे सा दि सा है न प लूरमाश्रीक्र्यमाधे श्रीमारी असूयानमाक्र्यमा नियानमाध्यानमाधिका नियानमाधिका नियानमाधिका नियानमाधिका नियानमाधिका विस्रश्रास्तानित्रक्ष । द्वारायकयाद्वीयाञ्चीत्रस्त्राची । नश्रुतानद्वीयायोगस्त्रीया क्ष विश्वास्त्रम्भास्त्रम्भाष्ट्रभाष्

र्वे.त.५८ है। ट्र. ब्र. ब्र. ब्र. ब्र. ब्र. क्र. क्र. क्र. ब्र. ब्र. ब्र. व्या क्र. व् वहिन्या हिन् हे निवेद स्वि श्वन स्वा प्रमा वास निवा क्षेत्र द्वा वर्षे वास निवा क्षेत्र हिन् हिन ब्रै.रा.लक्ष्मी अस्याभाशास्त्राम् न्त्री द्वहें त्री.ल्.यी.री.सी २.२.२.२.२.१ इ. स्या.स.ची अस्ते.र्यं.या. हा यासूङ्गायासे सुद्धा यासूङ्गान्त्रु सासन् रामान्यायास महासु हुन यहा वहेगा हेत वहे तस सर्स्यानुः र्सेट विट के प्ययापद्यापा के ने संविया तुः न पदिया के प्रिंट पिट प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप् चर्यवास्त्रास्त्रेच्।सन्दर्भेचन्याचस्रस्य उद्ग्द्रा विद्यस्त्र, देवेद्रस्य संस्कृत्य वक्षया वीः ईॱअॱब्रथ्यः उद्-विदःद्वाःव्यः ख्वाः विययः ग्रेःयः देवः हुः वेवःयः खेद्यः शुः <u>क</u>्वायः हे शुरः र् अर्देन्यराह्माश्रायरावळदाकु नराशुरावेग दे व्दे वे नर्वे नरार्यातवेदाकु । विदार्वे द्रे अ र्श्वे द्र अहर् प्रदेश । व्रुअअ पर द्वे प्रेश योग्याय वर्षे या स्तु । व्रुअ योग्याय सहर् ग्री अ व्रुअ । चुर्वे । श्रॅं प्यासूक्ष्णार्थासाया सानु सूर्यायाया यासूक्ष्णा हे तें सानिष्ट्रा दे हिं से सूर्या शु रें छें

ये वृष्म सुर्पे हिर्मे वृष्म अनुरम्हें ये वृष्म सम्से द्वे से प्रमण्डी समामास्य राज्ये क्षेष्ट्रं भू त्ये त्या प्राप्त क्षेष्ट्रं प्राप्त प्रमान सम्मान गाःत्रुःसःसन्नुःसःसःपाःसन्। यद्देणाःहेतःयदेःतसःसंस्यःनुःर्सेदःविदःकेःयसःयद् राक्षेत्रेश्वेशन्त्राचायदेशकेयिन्यार्थेनायार्थेन्याय्येन्यात्रयाय्येन्याया वस्र अन्तर्भ विन्य स्तु के विस्य स्त्र विद्य स्त्र स्त्र विद्य स्त्र स्त नर्जेन्यदेयार्भ्यात्रित्रार्धेद्यार्थेन्याशुर्हेग्याने शुर्म्युय्यार्भेद्यायार्थेन्यायार्थेन्या शुर्रिया दे पर्ने ने निर्मेन प्रश्री मार्चेन प्रश्री । पर्ने निर्मेन पर्मेन परमेन पर्मेन पर्मेन परमेन पर्मेन पर्मेन परमेन पर्मेन परमेन लिश्राचेत्राश्चर्यक्ष्याक्ष्य । विश्वराचेत्राश्चर्यम् सहर्त्त्र मुश्चरानुद्रि । विष्यास्य सहर्त्वा साम्यास्य साम्यास्य याणा लासूङ्गाने दें याने द्वा दें से स्वास्त्र सामित स

ये नुष्य यम से द्वे द्वे प्राप्त यम ग्राम्य राज्य वे वे दे दे प्राप्त राज्य निष्ठ वि वि वि वि वि वि वि वि वि व सन् रामा निमान पासूक्षणायाये सुन्द्रा पासूक्षणा मुन्यस्यन्तर्भायायाया सन् वहिना हेत वही त्र अप संस्था हा सेंदा बेदा कें त्य सावद्या पा केने संबे सातु ना वही साकें विदेश न र्वेवाः अति। यात्र अत्यायायायात्रः भ्रेवाः यात्र म्रेवः यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र य राले सेंदि दे अप्रमम्भाउद जुर विद द्वा द्वा प्रमान हें द त्यु मार्गे पर देव हु हो द राजेंद्र मार्गे द र्ह्रेग्रभाते श्रुमानुः अर्देवायमार्ह्रेग्रयमार्द्धायमात्रुमान्त्रे । विष्टे विष्ट्रया भी विष्टे विष्ट्रया विष्ट्रमा नविव छ। । इस नाये द दे सार्श्वे द सह द पदी । हिद वहें व दे ये साये ग्रास निश्चे सार्श इ.ड्र. यु.चू.स श्र.ट्र. छु.यु.स श्र.प्र. छु.यु.स ल.वु. र्यू.यु.यु.स यम्.युड्डे.यु.स प्रह्म

सङ्ग्रासायायात्रमुः स्तृः द्वा वहिषाः हेतः वदिष्य स्त्रासः रेवः तुः स्तरः विदः व्येषः वद्याः हेषे इति शर्मा नायदे शरके तिर्मित्र नार्मे वा सामे द्राप्त साम स्वाधित स्वा उर्-१८। विर्-१४२.१ हिंद्-१४८४.४.५ ने अत्यकता ही दे अत्यस्य उर्-हिंद्-देवा द्या देया ने या रवःग्रीःसःरूतः हिन्नेयः लूटमाश्रः ह्वामाहे श्रुरः दुः सर्वे यरः ह्वामायर वळटः मुः वरः शुर्रित है कुर्ने रुपानी अविश्व श्रुरा राया | निर्माक माया है सार्व मार्थ है। | माराया हेशस्य भेरत्य विद्या विश्वासे नामा सहदाया सुना प्रकृता पर्देश विष्य ता से से सामा सा तु मृत्याणा पासूकृ गा हे र्वे मा हे हूं से मूल्या शहें हे से मूल्या शहें हो से सुर्म शहें से मूल्या पातु

इ'ग'स'व। अम'न'बृ'ग'न। आसूङ्गा'स'से'सु'ङ्ग आसूङ्गा'च्व'स'सपूर्यास'रायात्रात्रुहर्तुं यता इ.क.र्या.म्बाराष्ट्रभारम् ।इ.म.स्मार्या हि.म.स्मार्या हि.महरामा हि.क्रेन्प्रमार्था ह्या विशानेग्रासह्यातेश्वास्याते विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य गाने कें निन्दें निन्दें से बुन्दा शुनें हिं से बुन्दा शुनें हिं से बुन्दा अतं हिं से बुन्दा अतः याः ह। याः स्रुङ्गः याः स्राः स्रुः स्रुः याः स्रुङ्गः याः स्रुः स्राः स्राः स्रुः स्रुः स्रुः स्रुः स्रुः स्र राधेश | पिँव 'हव 'बसर्थ 'उद 'दद 'धृव 'रा | यद थ कु थ 'बसर्थ 'उद 'सर्केंद 'देव 'द्र | | दद 'रा नन्यायोश्वाह्यान्त्रीत्। विष्यायमूङ्गार्थायाया यातुःस्त्याया यासूङ्गारे ते साहिङ्वा दे हिं ये.वै.स। श्र.प्र.ि.मु.मे श्र.प्र.ि.मु.मे स्थ.वे.सो ल.चे.र्र्यू.मु.मे यमःभुट्टै.मु.स.लक्षी यमः

गाझ शुर्ज से। के हैं ख़ै प्ये गा उ हैं। ज ज ज ज के हैं है जा साना सम ज सम ज प्रमान पासूह गा स ये.शुःहु। यासूकृगाःचुःसःसङ्ग्रासायाःसङ्ग्रुःसत्। यद्देवाःहेतःयदेःतसासःस्याःहुःसदः विट के प्रभायन्याम के ने संविधानु नायने या के प्रविद्यान में मान्याम प्रभाव विद्यान के प्रभाव के ने संविधान के ने संविधान के निर्माण के ने संविधान के निर्माण के ने संविधान के निर्माण के न भैगायान्त्रभेतायात्रस्य उत्त्रा हिन्यर्न्य संस्थातः स्थितः स्मिन्सः स्थातः मुँग्राम्यम्याउट्। ग्रट्सेट द्वान्य्याय रेषः मुँग्रित्य गुग्येट्या सुर्मे ग्रामे सुर्मे सर्देन सर ह्रिया शासर प्रकट कु पर्रा चुर हेया है पर्रे र क्या शाबे स्ट्रा या है स्वा या सुस वर्ने द्रवा वहिवा हेत द्रवा वाश्व अहे। विर्टेश खूत अहरा कुरा द्रवा शे अहरा विराम करा ग्री वे प्रेश तुर्ग पर्दे अर्थे । अँ प्य सूक्ष्ण राज्य प्या अरमु प्राप्य प्य सूक्ष्ण हे के प्राप्त हो है हुं. ये. वें. सी श्र. पूरे. पुरे. यें. सी श्र. सें. यें. सी आवें. र सूरे यें. सी सम सी हैं. ही. सा तही

र्भः माझः शुः रं स्रो रे हैं स्रे प्षे प्पाः गुः रु हैं। ५ ५ ५ ५ ५ हैं है न पा स्वा रू मा प्रमा प्राप्त पा स्वा रूप याये सुःहु। पासूङ्गानुःसायनुः यायापायानुःसुःहुं यत्। यहेगानेन यदेन त्रायार्ये पानुः र्येटा विदःके प्रभायन्यामा के ने संविधा ग्रुपा पदि शके प्रविद्या में मित्रा से प्राप्त स्था न स्था स्था स्था स्था स्था भैवा य प्रमुव य अवस्ति । विष्ठ य र प्रमुव अवस्ति य प्रमुव विष्ठ य र प्रमुव य र प्रमुव विष्ठ य र प्रमुव य र प्रमुव विष्ठ य र प्रमुव य र प्रमुव विष्ठ य र प्रमुव य र प न्वा वस्र राज्य विद्या त्रेर् क्यायाले स्ट मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र क्या मित्र मित्र क्या मित्र यक्र्याद्याः वाद्याः विष्यः व्याद्याः विष्यः व्याद्याः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः र्ने से न्नु स राम रे दे हो हो हा यह । यह गहा राष्ट्र ये रहे से प्याप राष्ट्र के रि

इ'ग'स'र्ना अम'र्न'र्म्नुग'र्ना प'सूङ्ग'ग'स'से'सु'ङ्का प'सूङ्ग'ग'त्रु'स'सर्नु'र्भस'प'सर्नु'सूङ्गुं' वहिषा हेत विश्वस्थ स्था पुर्शेट विट के यथ विद्या सा के ने संविश ग्रुप्त विश्व के र्केन्सें रस्यानान्द्राने वे निवदावी साज्ञुदानवे निवासस्य स्वर्णान्य साक्ष्य साज्ञु सान् साक्ष्य साज्ञान्य स्व तर हूं वाश्वास तक्द कि वर् वी है वर् दे कवाश ले हिर वाही ख्वा वाश्वा विदे द्वा वहिवा हेत र्वा वाश्वस्थे। विस्रवाश संदे र्वो वर्त्त वा से सम्या विस्रवाश संदे र्वो वर्त्त न्वानर्डे अर्थे । व्याप्त सुङ्गा अयापा अनु न्यापा पासूङ्गा हे र्ने पाहि ही है हैं से न्यापा श्र.पूर. भ्र. में स्वा श्र. में स्वा अ. में स्वा अ. में से से से से से हैं हैं हैं से सम्यास्था

था:सूङ्गान्तुःसःसन्नुःसःसाधाःसन्नुःसूङ्गुःसत्। यहेनाःहेनःयने न्यसःस्यःम्यःम्। हिनःस्यः। ৹ইণ্মভূদ্ভিশ্বিস্থিট প্রুদ্রেশ্বম্থমশ্বমশ্রেদ্বশ্বশ্বশিষ্ঠেশেশ্বশি श्चेत्रायात्रस्य स्वर्गात्र्या विद्रायम् र् देव्यास्य स्वर्गात्रम् देवे द्वारा स्वर्थाः उन् जुर विर न्या दश सुर नु सर्देव पर हैं या श्राप्तर एकंट कु यर कुर देया के स्थापक न्य भ्रेषाक्ष्म भ्रुरत्याम्या यात्रे प्रमामी यापीत्र हो। यात्रे प्रमामी यापार पीत्र। यात्रेत्र पत्रे पत्रे पत्रे क्रिया ने 'न्या यो श्रा । क्रिं 'यन शर्मा दी 'न्या क्षेन 'न्या । न्या दी स्था थी दिन हैं स्था । यान प्रवेश र्बेर-१,१नार्शरविनास्त्रा अँप्यस्कानास्याया यातुन्त्रायाया यास्कानाहे ते राहिला है <u>ફ્રેં સે ર્ગુ સા શુ ર્ફે : ફ્રેં સે સુ સુ શુ રેં : ફ્રેં સે ર્ગુ સા અનુ સ્ફ્રેં સે સુ સે ફ્રેં સે પ્રસ્</u>ર र्भन्ताम् श्रान्ताची द्वाहे ते त्यापात्ता निक्षा प्रमानिक विष्या स्थापात्ता स्यापात्ता स्थापात्ता स्यापात्ता स्थापात्ता स्थापात्ता स्थापात्ता स्थापात्ता स्थापात्ता स

याये सुःहु। पासूङ्गान्त्रुः सासन् रायापारामुः सुःहुं यत। यहेवा हेत यहे त्राया रिया हिस् विटक्टे यथायन्याम के ने इति या नुष्या विद्या के परित्र परित्र परित्र परित्र परित्र परित्र परित्र परित्र परित्र ब्रैना'रा'न्ट्-ब्रैन'रा'बसर्थाउन्'न्टा विन्'राम्'नु र विन्'राम्'नु र विन्'राम्'नु र विन्'राम्'नु र विन्'राम्'नु र विन्'राम्'न् विन्'राम्'नु र विन्'राम्'न् विन्'राम् विन्'राम्'न् विन्'राम् वस्र १८८ स्थापिस्र १ इस १८८ स्थापि । स क्तु नर्श्वर हेग 🛊 कु ने रुपा मी स्थापेन हो। कि ने रिया मी स्थापर प्येन। यिनेन संदेश्यनेन कैंगाने न्या यो शा किं वन्य न्या वे न्या सेन विषा निया वे कु त्ये वन निर्मा विकेर निय र्बेट्-र्-र्नार्शेट-विना-सृत् विज्ञास्त्रृह्म के प्यासूक्ष्णा-सामान्या सामुन्निन्ते प्राम्ने स्वाप्ता साम्यान <u>ફ્રેં સે ર્ગુ સા શુ ર્તું છે સે ર્ગુ સા શુ ર્યે છે સે ર્ગુ સા અનુ રસ્ટ્રે સે ર્ગુ સા અન સે ક્રે ર્ગ્ને સા પ્રફા</u> यम्यास्यास्यास्याः स्रो द्विष्ट्रं प्रेष्णं गाः प्राप्तुः प्राप्ताः प्रमान्त्रः स्रो स्याप्ताः स्यापताः स्यापतः स्यापताः स्यापताः स्यापताः स्यापताः स्यापताः स्यापताः स्यापताः स्यापतः स्यापता

याये सुःह्य पासूङ्गान् स्थायन् यायायायात्र सुःह्युः यत्। यहेवा हेत यदे त्रयाया सेवा तुः सेटा विटः कें व्ययायन्याया के ने इतिया नु प्रायदिया कें प्रतिया प्रायम्याया या विष् कृंगान्न-दरक्रेंच-त्रः वस्त्रान्न-दर्ग विद्यान्न-द्रियान्न-विद्यान-विद्यान उर्-कु:विस्रश्राह्म स्मार्थन्य स्मार्थन्य में विदेशे स्मार्थन्य स्मार्थन्य स्मार्थन्य स्मार्थन्य स्मार्थन्य स्मार्थन्य स्मार्थन्य स्मार्थन्य सम्भार्थन्य सम्भार्य सम्भार्यसम्भार्यसम्भार्यसम्भार्यसम्भार्यसम्य सम्भार्यसम्भारम्यसम्भार्यसम्भार्यसम्भार्यसम्भार्यसम्भार्यसम्भार्यसम्भार्यसम्भार्यसम्भार्यसम्भार्यसम्भार्यसम्भार्यसम्भार्यसम्भारसम्भार्यसम्भारसम्भारसम्भारसम्भारसम्भारसम्भारसम्भारसम्भारसम्भारसम्भारसम्भारसम्भार शुरुंडेन । अंदी रुपानी अप्येव है। अंदी रुपानी अप्यय प्राप्त प्येव । विदेव संदेश विदेव स्थित है। न्यायीया । कें वन्यन्य न्या वे न्या सेन स्वा । न्या वे से धे वन न्या सेन प्रेन सेन न्या सेन सेन सेन सेन सेन सेन र्शेट:विना:शृत्रु अँ प्य:सूङ्गार्शःसाया सानु:सृ:याया यासूङ्गाने रेने राने ह्या दे हें से न्युःसा श्रिं हे से स्वास्त्र ठ से। दे हैं स्वे प्य गु र दें। ५ ५ ५ ५ ५ ६ इ ग स्त्र । यह ५ हैं मा स्त्र । यह ५ हैं में प्य से से से से से

था:सूङ्गान्त्रुः सःसङ्ग्रायाः याद्राध्रुः द्वृं यत्। यहेवाःहेत्यरे त्र सः रेवः तुः सेटः वेटः केः यसः यन्यासा के ने अ वि या तु । या यदि या के प्यूर्वि र या विवा अ स्यो र या त्या या य विश्वश्वास्त्रास्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्वात्त्रात्त् शुर्रित है हुर्दे र्गामी सप्येव है। हिर्दे र्गामी सप्यर्थेवा विरेव सदे निवेव केंगा ने निया यी शा कि वित्य रिया के निया के निया के निया के कि स्वीत के निया के कि स्वीत के निया कि निया के निया कि निया के निया कि 5.2 वा. शूट विवा येटी बू. ला में हैं. या भाषा या वी. सं. ता ला ला में हैं. या है हैं. या है हैं. हैं. हैं. हैं त्रुं स रा. हें हो से रा. हें से सा सा है से सा सा

अत्यादान्याक्षेत्रः श्वाह्मका कवाकाः या । ह्रवायहेँ व्यवादें व्यवादें । व्यव्यादें । व्यव्या

मर्वे दःसः श्रे सदयः देश । विद्रायः यदेः येषा श्रः सह दःसरः शुरा । विद्रे दःसः मादः विषाः वर्शे पा म्यमा विरायदे यस निर्दे त्यह निर्दे न त्रेर् । यार. खेया यरे. यर. अरदः अहर देश । विराधः यरे. खेया शास्त्र स्वरं । श्लेयः यरे । श्लेयः यरे । श्लेयः य यरे. खेया शास्त्र स्वरं स्वरं अरदः अर्थः वर्षे प्रविष् । विराधः यरे । खेया शास्त्र स्वरं श्लेयः विराधः । यादःवियाः शुस्रभाराधिया । शुयाभः ग्रीभारक्षें न्यायदे द्याः गुता । नुः यादेवाः नविदः नुः ह्याः नश्चित्रयानेया । वित्रयानित्रयोग्यायाया सहत्त्रप्राचीत्रा । वाद्यानेया विवादित्रया विवादित्यया विवादित र्यस्थायत्र गुत्र मी हेत् सूर केटा भिट्टा द्वार पहेत् सूर पहेत् सूर पर देश । सिट्टा या वि सहरायराध्या । यारावेयाक्त्राम्स्यास्त्रास्त्रास्त्राध्याध्या । याद्रावेरावेरावेराक्ष्यास्या वाश्रदःवाद्यःवाद्यः सर्वाद्यः सर्वेश । हिन्यः वर्षेवाशः सर्वः सरक्ष्यः । प्रवयः वर्षेत्रः

नडर्भानास्त्राम्प्रिंभान्तिम्। भिर्मा अस्त्राच्याम्। स्त्रीम्यान्याम्। नर्राधित्रक्षेत्रम् मेर्म्या वित्रक्षा वित्रक्षा वित्रक्षा वित्रक्षा विष्ठित्रक्षा विष्ठित्रक्षा विष्ठित्रक्षा नर्भेर्न्स्न । वसम्बर्भार्यदे नर्ने व स्वर्भामाशुर्भार्भेरा । शुन्यति स्रूव सम्बर्धामा शुर्मे ब्रिन्यानने योग्रास्त्रम् । प्रम्या । प्रम्यान्य विष्या स्त्रेष्या । स्त्रिम् । प्रम्या । प्रम्य । प्रम्या । प्रम्य । प्रम्या । प्रम्या । प्रम्या । प्रम्या । प्रम्या । प्रम्या । प्रम्य । प्रम्या । प्रम्या । प्रम्या । प्रम्या । प्रम्या । प्रम्य । प्रम्या । प्रम्या । प्रम्या । प्रम्या । प्रम्या । प्रम्या । प्रम्य । प्रम ग्रीभाससासहरारी विवासागुन्दन्दर् सहरासारेमा विदायानरे खेनामासहरासर शुरा । यरमः सुमाद्येरायानरे योगमासहरा । वसुः द्येतः स्मानवे स्मानवे स्मानवे ।

र्यःगुवःश्रेयःयदेःयेवायःदे। । हिदःयःहवाः हःश्रेवःश्रुदःहेव । यदयः क्रुयः वर्षद्वययः यश्रः न्यान्ता । श्रुम्बस्थागुवाक्की नस्यायाधिया । वित्रकी पर्देन देवायाताधिवाया । देवादे पे पे वर्चियः चीरः वृथ । मिरः वृष्ठेशः विरः हवाः वरे विषय । मिरः विष्ठे । विरः हवाः वरे विषयः शुर् । हिर्डिण वसानर्मिर्नि से सुरुषे । हिरुषेर मिर्मा ग्राम्य से मार्थित । हिनुसे नदे लेग्रासळ्द्र नदे लेग्रा हि सदे गुर पर नदे लेग्रास नेरा हिद रुग गुद हु नदे लेग्राश्चित्। वित्रित्रमार्श्वेगात्मर्साश्चित्ररहेग्। विदेगारहेव्यदेन्द्रमारहेव्यदेग्।हेव्यत्रर्स्यार्गुर्स्य विट कें प्यश्रायन्श्रायाके मो सें विश्वानु नायने प्रत्ये स्वार्श्वसायश्चीयात्र्रा सर्वे देशासु भ्रेअने नर्रात्राक्षा अध्वार्य देशिया अध्यय उर्य यथा कुषा वया भीवा तुराया भीवा यर शुरु:हेग

गट्यो दिव श्री अप्तरे केव यावशा । श्रून केवा हेन व्या वक्त प्राया । श्रुव अप्तर्थ । श्रून विवास केवा न्यो पन्तरहे। ।गुरु शे शे ने नर्थे सुर्थ सुर्थ । सुर्थ ह्या स्थान प्या श्वाप पर्वा । सुर्थ पे सुर्थ हे हे पे श्चा विह्रास्त्रित्वकृत्वरार्क्षेताः से स्वा विषया श्चीया से श्विता प्रिता हुता स्वा विश्वासे स्वा विश्वासे स्वा शुः श्रेवायः रे द्वायः भ्रवाः सहदः पदी । व्रुः सदे वाश्रदः वाश्रदः वाश्रवः वर्षाः वर्षाः विवायः वे वयःस्रावदःवर् । वर्रे वासवःसे हैं वा स्ट्रेंट पदे टटा । इस वर वासुसः वा वास वास वास वा म् संद.र्ययात्रात्रयात्रक्यात्र्। । सरमाक्तिमात्रक्यात्र्। । स्तरमाक्तिमात्रक्यात्र् नन्वास्त्रमायकवा । न्रासंस्थाने वास्यायायाया । न्रीयायिक्तास्क्रिकेवास्यस्यस्य वर्तन्।

या ब्रुवाश सर्केवा सर्केवा रहा वार्य हो । इसदार्वे सर्केवा वी र्श्वे दाखाय उदा । वार्य प्राप्त दर्यानवे दें वास्त्र हिरा हिंहे पहेग्या होता प्रक्या वे विकर्व वे मानहिन्दा गुव-रूट-विवा हिंहित भुव्य द्वाप्तक्य वर्षेता विविव हेते वाले दर्शे रूव वहेवायाया । स्यार्हे हेते रूर नविवाहित हिं हे स्वाया रूर रूप सह स्याप दिवालक या नर्हेन । पर्नेन क्वाय हैं हे दे रे वे हिन । वाकी व हे दे वाकी न से रच प्रहे वाया न । हैं हे वाया न र्टर्यास्ट्रिं मार्स् वास्त्राच्या विवायक्षा वर्षेत्। विवार्त्वा हे हे वे दे वे विवा विवा हेते मिनेट र्से अरागुरुपा हिंहिते सुन्दरम्य अर्द्धर राषा । ध्यान्य रत्य मी ध्याप्तर रत्य मी स्थाप्त वर्षा न्द्रिन् विश्वस्त्रम्थः विश्वस्त्रम्

के गार्रे में मिलायात्र्री पर्दा अर्गेवा विर्माय क्रियं महित्य केवा **৹ইণ্যান্ত্রণ্টাণ্**ৰিক্টেনি:খ্রুণ,স্কল্ভির্মান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র वहिवायायागुत्रायोषाया । दे दिरहेद्वयाश्चित्रयाश्चायकी । दे पी श्ववायाशुः कुद्रायदे केया। वर्षिमः नवे वहेन्या अया अया नदा । जुर कुन अस्य नवे वे केंग्या या या । ने निवेद या न्याः भुन्यः शुः सक्री । नन्याः वे त्यहेवायः यः इयः भूयाः वया । गुवः हः न वरः यः नन्याः वे न वनुषा ।वहस्रान्धवान् वृहस्याववरानन्याः हेन् ग्रीया । वन्याः यो ।वस्याः वी ।वस्याः विष्याः वसः वर्षी। त्रुवाशःहेदेःश्चेन्द्राः सःविद्याः वदी । श्चितः रशःविवाशः सर्वोत् देने वाष्याः । दिसः ववाः दः रूशः द्र्र्ट्रिन वर्ष्ट्री । क्रीया उद्यायन्या या क्रीय शास्त्री व्यवस्था विषय विषय स्थाय विषय क्रीय विषय स्थाय श्राधे स्ट्रेट्य वित्र स्ट्रेट्य वित्र स्ट्रेट्य स्ट्रेट

हेन्-न् सून्-प्रेन्-प्रिन्न् स्वार्थिन्न् स्वार्थिन् स्वार्थिन्न स्वार्थिन स्वार्य स्वार्थिन स्वार्थिन स्वार्थिन स्वार्थिन स्वार्थिन स्वार्थिन स्वार्थिन स्व यः ऍरशःशुः शुरायायायाया दिष्टि । यहेवाया हो ५ १ के दार्था सुन्य से वा सम्मानिया । नत्वाराय। विस्रराम्युसर्ये अन्य-त्रुराय-५-५-विरार्श्वेग्-४-१ व्यापाय-१ इस्यास्याविष्यास्याद्विष्याद्वेर्यायाद्वेर्याद्वेर्यायाद्वेर्याद्वेर्याद्वेर्यायाद्वेर्यायाद्वेर्यायाद्वेर्याद

वनरान। भ्राविष्ठभाग्रेराग्रेन्द्रान्द्रभाग। वहिनाहेन्द्राद्रिनाहेन्य्यभावद्रभागवेर्युःवा वहैन्या हिन्से निवेद स्विक्षित स्वाध्य प्राथमा स्वाधित श्रेग्रायहं न ने न पहे ग्राय दिवाय पर इस्या ग्राम्प्रे म्याय पर सह न प्रायम स्थाय है ग्राय के म्याय के स्थाय के स्याय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्था के स्थाय के वर्चियाःक्षेत्रःक्ष्र्यात्रात्रा श्रुषुःचियाःचेटःवयाःचेटःभेटःचेटःकुत्यःचःच। वहेयात्रःश्रुःचेटःचेदःक्ष्रेचः राःभ्रम्भार्यः क्रमः निर्मा सर्गे र्मे र्मे स्मर्भे राष्ट्रा न द्वेते र्मे द्वेतः राष्ट्र राष् र्रातः अर्क्षर् भिरः व्रिया अर्दर अरे अर्थोः प्रियं र त्या र्दा व क्राक्षः या अपा अर्थः सुवर स्वितः स्वितः स्व इससःग्रीसःनक्कित्या गश्रसःयःकेःना गहेरःन्देःग व्यासःहता सळ्वःसःग्रीवःन्योदःना श्चेत्रयाद्राहे याद्राश्चार्यात्रा शुक्रिया द्वात्रा शुक्र याद्रा स्वात्रा स्वात्र स्व नेवे गर्दे र उत् नेत मुर्हिश पर दें के र उत् देवे हो र अर् प्राप्त में के र में र प्राप्त के र में र प्राप्त में र प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में र प्राप्त में प्राप्त म

द्रश्राध्याता वार्ष्व. वीद्राम्व वार्म्व वार्मिया में वित्रान्त की वित्रान्त वार्मिया वार्ष् माणकाःग्रीःवियान्दार्भे क्रिं देवे माणकाःवयान्सरःम्। माण्येनःवयाः सेराम्। द्वे हानवे गर्षेत्र विष्य दर में दिये गण्य विष्य द्वा गर्षेत्र विष्य द्वा में विष्य द्वा स्था विष्य द्वा स्था विष्य द्वा ग्री न्दर्भे निष्ठेश ग्री शस्त्र र्से किये प्रमाश संस्त्र ते प्रमाश स्त्र निष्य । यन्दरम्दर्भर्यये सम्बन्धरम्य विषेत्र यन्त्र सम्बन्धरम् देशस्तरम् अन्य सम्बन्धरम् विष् गुन निहेशस्य है है सूखा निह्यस्य निह्यमित निहेस स्र न्तुमान्ति नद्यंगिर्वमान्यत्रामात्रैं म नद्यमित्रभानात्र विक्रियां नद्यम्भुसानात्र हैं हे खूरम्

नडुनिवियात्रिंहेर्भेना नर्रेष्यायात्रम्याची ।नडुनुनायात्रारुरिनेश्वस्य भेटा भूगा यानित्री: न्राह्मानीयानायारानदे हिंदा । महियानियानायारानदे हिंदा । महियानियानायाया रायास्या यविष्यायाम्या स्यायावयायाया द्वायायायावता यद्वायायास्या वर्द्रियातु। न्गुरम्बर्यमाम। नङ्गम्बर्द्रम्बिन्ग्गिरम्। नङ्गम्बन्यस्य निरायागार्द्वम्याम। नद्वागाद्वेयामान्या नद्वामार्थ्यामान्याम्या नद्वामाद्वेयामान्याम्या क्षेत्रायाः सहीत। वर्षे व्यापादावर हे वाशुयान। वर्षः त्वापादात्तुर रया वर्ष्ययान। वर्षा नाप्यभःग्री: न्दःर्स्यःश्री निर्वयः ययः यः ने निर्वयः ययः मुद्दः निर्वः प्रयः मित्रः वि स्थासियान्य विशेषान्यभाद्ये विष्ट्रेन्य विष्ट्रेन्यभाद्ये हैं। के.स्थासि वैयान्यभाद्ये कुर्नु वर्षे

नन्गायनुषान्। निवेशानेटाक्टे प्रमान्य कुनाक्ष्य कुनार्मेन किं समान्त्र माना श्रुव के सक्षेत्र मा | र्से त्रा हेव ही खेल निवाल निवा उंड्व श्रुय श्रुट न्दा । अगार य र्येग्य न्द्र न्द्र श्रुव रेड यक्षेत्र या । व्येत्र र्ह्ने व र्ग्ने ख्रुय नन्यायनुष्यम् । निर्वेशःविदःकें यन्शः नुदःकुनः सुरः र्वेनः विषा । विः शक्षः मृत्याः प्रामह्ले गाः याना विन्न स्ति हैं। सिन्न रिन्न स्ति विन्न रिन्न स्ति विन्न से सिन्न से सिन्न से सिन्न से सिन्न से सिन्न से स ग्रेन्स्यक्ष्माक्ष्यक्ष्याम् । ब्रिक्स्र्रिक्ष्मेन्यः मन्त्राचान्त्रव्याम्। निर्वेक्षः स्विन्तः नुरः कुनः शुरु विन विषे अक्षान्त्र मान्तर अग्ना अग्ना हान हैं हैं।

श्रू अ.ध्रु अ.ध्रे व. मी. क्षे. जन्म जन्म विष्य विष्य विष्य क्षेत्र क्षेत्र स्था विष्य विष्य विष्य विष्य विषय श्वतः त्रः व्यापातः श्वतः याः स्यापातः व्यापातः स्याप्तः स्याप्तः व्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्यापातः स न्ग्रीयायिं राम्री यू कें ग्रामा मित्र मित्र सकें गाया सुया निवे रामा महेता नमा हेत्रप्दी त्रश्य स्वार्ति स्वारिक्ष त्राचा क्षेत्र क्ष शुःश्चेशने के न्ययः क्रियशः वर्ते मार्ये मार्ये न्यां शुं न्यां शुं न्यां शुं न्यां शुं न्यां या वर्षे न्यां र्श्वे द्रायम् सुर देवा।

इन्त्रिंवः अर्क्षेणः देवः केवः द्रमयः विदः तु। । दर्गेवः अर्क्षणः देवः केवः यशः वुदः त्र। न्गॅ्व अर्क्ष्या देव केव वेंद्र ने र श्रीश | देव केव से द य स्वाद्या था | विवाध श्री खाय दि

श्चें र नदे यथ। । अर्द्वर नदे यथ दर श्चें अ मदे यथ। । त्व व से द मदे हिन् मर यथ। । विर कुनानरकिन्सेन्यियम् । इसामरक्षियानियम् वात्या । निहेन्द्रस्थियामाग्वानुन् है। विस्ताम्यास्ति त्यसाने स्वर्धेन स्वर्भेना। क्षे सङ्घे सङ्घे सङ्घे सङ्घे सङ्घे सङ्घे सङ्घे में रति रहेरम्या वेर्नुहै। र्ने इपा यसपर्यं दुःयता यह्ने प्रहेर्यम् । श्रेन यशिषात्रः अभाषात्र्यं भारत्रः । श्रीटासप्टासङ्गः तमा विट्टाना विट्टाना विट्टाना श्री वा विद्यान पद्गे.पज्ञ.भू.चे.सप्तृ.श्री.पि.च.हे.पाङ्के हु.भूत्री क्रे.त्रम्भ.ग्री.इस.चेस.केस.सं.लेस.स.ट्र. न्ह्येर्स्येर्न्त्रियार्भ्यं वाद्वावयार्ष्या वर्त्ते वर्त्त्र वालेवायार्भ्य हेर् भुग र्वास्त्रेत्रभुग

क्ष्रिंद्र महीत महिन्द्र मही अर्थ है है हमें भी दिन्त न दें पता अर्थ मही स्तर है स्तर है स्तर है से स्वर्ध मही स्वर्ध मही

निष्ट्री केंद्रायाकेंद्रात्या केंद्रायदे द्राया वाराया वाराय विद्याय विद्याय विद्या वि नः इसमाग्री वर पुर्दु द्वुं वु न यम गुर नदे सकें प्रेंत्र विनमानसेया है। से में न निप्ता र्श्वेया सर.म्रो वियात्रमा र्र्यास्यस्य स्टानिव निर्मेर स्थान सकेंद्र स्या निर्णय ननरमें नुवानी हुँ न्धुत्यन् नवाय क्षेन्यते नने ना हिन्यम् उत्त नहीं न्यम् हुँ । नदी यही इसी खुर्वे मी मड्डी वैसे हा नम् खूर्ख वेगन्त ने नम्म स्टेरिय स्ट्रिय हैंदर्याह्मस्रस्राण्येसार्से स्वतः हम्मान्या हम्सान्य स्वतः मङ्की वै.सं.२। नम्रस्वर्श्वी के.तर्यायने.य.वर्.२.श्रीयायनेयायेरायर्थास्य स्थाप्तिया ये द्राती विष्य स्थित है। के सम्प्रमान कि निष्य में निष्य के निष्य निस् अं हैं हैं ख़ैं ख़ैं बें बें अयर्कें निय अयो निय अयं निर्देश हैं अर्था निस्त सं हैं विस्

कें भू इसम्भागी भाकें प्रत्मानदे नाउन् र भी भाषा में नामा कें ना ने र पा में निमानी सन् नियानया रदाहेदायाके यह हार्या प्राप्त महा मुन्ति मही सुने अपने मही मही मही सुने मही मही निम्नानि द्वार्षे द्वार्षे स्वर्धे अरमा क्रियाय राय स्वर्धित पाये । विस्थान प्रतानि विस्थान न्वो वर्त्त वर्षः में द्राये दे विष्याया प्रायाया वर्षे वर्ष शुम् ळे.पर्मायप्रे.य.१४५.१ में अ.य.प्रमाय्यार.स्ट.१५८.प्रमें यह मैं यह वीयायायाया यीयार्के या ग्रुयायि तुयाय शुराने यात्रया भूत हिया यीयार्वे त्या है।

विया कियात्राक्तीत्रासम्यित्वात्रास्त्राची । यात्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्र सित्रायात्त्री । श्रीस्रायात्र्वे स्त्रास्त्रायां । यात्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्र विया । वियात्राक्तीयात्रासम्बद्धायात्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्र

र्याया ग्री मित्र स्वाया प्रायम् । विष्ट मित्र सम्बन्ध स्वाया भी स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्व न्यव्यास्त्रीया विकावह्रिक्या नन्यान्त्रस्था स्त्रात्रस्था स्त्रस्था स्त्रस्य स्त्रस्था स्त्रस्य स्त्रस्था स्त्रस्था स्त्रस्था स्त्रस्था स्त्रस्था स्त्रस्था स्त्रस्था स्त्रस्य स्त् ल्याल्यानी योड्डी दु.स.२। नम्मानु द्वानु स्वानु यम् नुङ्गिः हा पङ्किः हु सुन्नु दै त्यया श्रुया परिष्ये त्ये या ग्री से या महोत्र या सम्मुन् 🛊 नार्श्व रहेना द्वीर शंकी नार्स्व शंकी । वार्श्व रहेना के यद्य रहेना शक्की सुर इ.र्ज.लु.येर.क्रीर.क्षी क्रिक.य.स्याम.र्जेष.इ.पु.स्र.स्री विश्वय.क्ष्या.रेग्रय.क्ष्या.स्याम.क्री. य। । वार्श्व रहेवा कें त्यन्य सेवाय ग्रेग्व। । विद्युत्त या विद्युत्त या कें त्यन्य सेवाय ग्रेग्व। । विद्युत्त या विद्युत

विरःक्वासेससार्धिसे स्वरःही विर्धितः विवार्षित्सः विवा र्रे दुगमे दुर्ने निरम रेग्रामा मिस्र देग्राक्षे तर्या स्वाया मित्र देया मित्र में स्वया मित्र मि चुयायो से स्वर्भर है। यिश्वर हिया द्वेरिश लिया देया श्राधी खी। यिश्वर हिया छे प्यर्थ देया थ ग्रीत्। विश्वारमाधिरमाश्चार्त्रात्त्र्र्यात्र्वरक्षाः विष्यानिरक्षाः मुस्यते । विश्वार्याः नर्गेरमः निगः नेगः ग्रेज्। । गर्मेन केगः के नरमः नेगमः ग्रेज्। भ्रुः गर्म स्थापे नेमः स्था न्। विर्मे निर्मे निर्मे त्यापारार विषा विद्यानायर विषा हे भारा प्राप्त है अपन्य स्थान से स्थान अरमान्याम क्रिंट संदेर या न न में क्रिंट संदेर या न न में में क्रिंट संदेश में स्वार्थ क्र संदेश में स्वार्थ क्रिंट संदेश में स्वार्थ क्र स्वार्थ यम् भेश्वास्त्री स्वास्त्री इत्येत् इत्यास्त्री श्रुस्त्री श्रुस्त्री श्रुस्त्री श्रिम्मेत् व्यास्त्रीय स्वास्त्रीय स्वास्त्री म्यानाश्चर्यात्रस्य विश्वर्यात्रस्य विश्वरस्य विश्वरस्य विश्वरस्य विश्वरस्य विश्वरस्य विश्वरस्य विश्वरस्य विश्वरस्य विश्वयस्य विश्वरस्य विश्वयस्य विश्वयस्य विश्वरस्य विश्वयस्य विश्वयस्य विश्वयस्य विश्वयस्य विश्वयस्य विश्वरस्य विश्वयस्य विष्ययस्य विश्वयस्य विश्वयस्य विष्यस न्ना गुन्नत्वुन्नान्ना वर्षेवायन्ना व्यासेना वेशक्षासेना क्रेन्यासेना सर्वेनाया षरः भेरित्री श्रुः रेते तु। रे व्रुः नशत्व। ह्या क्ष्या श्रेश्य श्रेश स्वरं म्या स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं डेट भूग रा से द दें। हो व रे के वा त्या की व रि त्या का की हा दव त्या का त्या से साम र हो व हैं। । रुषःगश्रुमः रुष्टेवः यरः यद्ग्यायः यदेः यर्षः मुषः वस्यः उर्णः विषः रवः ग्रीः यः र्रेया हु द्वीत्र पा वता र्थे प्यति या प्रहेत तथा व्यव से दाया प्यतः द्वी या प्रति व्यतः क्षितः हु सर्वित्रपरः ह्रेविश्वापर्यः श्वरश्चा सुश्वार्शे ।

हें ५ ५ चुन् क्रेंट पंदे प्टर प्रश्राख्रुश्यश चुट पंदे में ५ पापरश में ८ कु के पा इससा ही वर र् दुं दुं तु न यस चुर नवे अर्के र र्षेत्र विनय निर्मा दी मे रेने निर्मा हैं या सर मे वियात्रमा रेपार्थात्रम्भभारतायवितायते हितात्रमामाम् वितायमान्यता वितायमान्यता वितायमान्यता वितायमान्यता वितायमा र्श्वे न पुष्प नु : वर्षा पर से न परि न ने न जिन पर उत्तर मुने न पर जिन हैं। सुद्दे। सुदे। सुद यो अर्थें मी माड्डी वै से डा निस्क्ष्रित्र के कि प्यास्कृत में स्वा के स्वर्त्त विकारी वर्षी सके राम सियो.पक्षत.पर्यात्रात्रात्रात्राचीर.ह्यायात्राष्ट्रिया ।क्ष्याग्री.भी.वा.येषयार्वराष्ट्रायारवः

लटा ब्रिट्याश्वरागर्गायासास्यात्र्यादर्भारादे । श्वर्ग्याहे श्वर्य्या श्वर् नश्रुवःमा विह्यायान्त्रेन्यान्त्रेन्यान्त्रेन्यान्त्रेन्याः विष्यव्यक्ष्मान्त्रमा विष्यव्यक्ष्मान्त्रमा यायापा यातु मृत्यापा पासूह हागा हे तें माहे ही है हैं से मृत्य शहें हिं से मुक्त शहें हिं से मुक्त शहें हिं बे चुन्य अनु र के वे अहा से चुन्य अहा से चुन्य अहा सह महा सह साम साम साम से प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प यापार्यात्र अवश्री क्षेत्र स्ति वा के द्रापेट्या सुराया ने याद्रा । यादाप्य सुराया या सके या या न्ना किंगिदेण्यम्थमानुस्रस्य न्ना । नन्मानीसानहेन्देसान्नेसाना । नेप्पनानहेन् नःसह्तः न्यार्थेत्। विसर्वेद्यस्म्यार्थेवा विष्ट्रेत्रुः सुः वहिषाः हेत्यार्थेत्। यो स्तिन्त्रीः

🕴 र्र्युत्रप्यमत्त्री 🔻 स्थान्या प्रस्था स्थित स्थान षरायमें नगुरा क्षिंविरक्षे नरायहरान् ज्ञान विश्वेष्ण । वर्षायान सेनाम हेरासु वह्रवःश्चरःद्वता वित्रःत्रावयःहःस्रेनःस्रुःख्वेः वनवाद्धेनः वता । विःस्र्वे रःवन् व्यवःवीः वयनः सर्देव शुरुवा । सम्बर्ग्य वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे देव वर्षे धरंक्ष्य दिव्य दुरंबिट् श्रुटः विविर्द्य दिरं प्रदान क्षा यावया प्रदान विवया प्रदान विवया प्रवास रदायां विया रदाद्यां केंगा शेयशाद्यवाणे भेशा शेयशाद्यवाणे विया थे भेशा शेयशा न्ययः हिरारे व्हें त्र श्रेस्य न्ययः यः विस्रा हिरारे व्हें त्र श्रेस्य न्यये व्ययः गुः खुः ते रहाया

तर ग्रुर प्रेते क्षे तेर खू अग्रेय तर से विषय गर दें ग्रेय अक्ष्य तर ग्रुर विषय ग्रेय हेरम्ब्रु इसम्बर् हे त्रायापते वितासूर प्राप्त स्वापते से ज्ञान सके वितास के स्वापति है स्वापति है स्वापति है स र्द्र-तर्द्य-ब्रिटा विट्यासेन्-इव-क्रव-क्रव-क्रिय-क्रिय-स्था विवी-सक्रव-हे-स्रेन्-सक्रय-मद्रेन्याः भी अः ने अ। । वित्र क्या यादः द्रायादः तुः याव अः यः ने द्रा । विः भी अः अळवः अः यादः प्यदः श्च-विद्या विद्या विद्य नुशःत्य । सःर्टः सिवदः वर्त्ते स्यशः ग्रीशः नगः नुशः त्या । क्रूशः श्रीटः श्रीटः सः स्यशः ग्रीशः नगः

स्थान्त्रीयाः वीच्यः क्ष्मा । विक्रियः वाक्ष्मे विक्रियः विक्षियः विक्ष्मे विक्ष्मे विक्ष्मे विक्ष्मे विक्ष्मे विक्षे वि

डेशन्यर्गञ्जूतः र्श्वेत्राक्षेत्राः तुःयन् नृत्रान्यः वक्षर्यत्वे स्थेनः यहेत् स्तृणः नृत्रो स्थ्वेतः वक्ष्यः वहेत् स्तुः

सर्केशःश्वरः नः न्वो खेग्रशः दसेया।

ลู๊ๆ'ฯ'จั่ จิ๋-รุ่มฺ-ร